ढलक ढलक काई रोवे लीलण म्हारी रे तेजाजी भजन लिरिक्स

ढलक ढलक काई रोवे,
लीलण म्हारी रे,
तेजो बंधियो वचना रे माय,
खरनाल्या में चली जा जे।bd।

काका रे बाबा ने लीलण,
राम राम कहिजे,
दीजे वाके चरना माहि डोक,
खरनाल्या में चली जा जे।bd।

भाई रे बंधु ने लीलण,
राम राम कहिजे,
कहिजे वाने तेजा रो सलाम,
खरनाल्या में चली जा जे।bd।

राणी पेमल ने म्हारा,
करवा चौथ कहिजे,
दीजे वाने पगड़ी संभाल,
खरनाल्या में चली जा जे।bd।

शंकर भीचर थांकी,
महिमा गावे,
तेजा दीज्यो थे तो,
भीचर पर ध्यान,
खरनाल्या में चली जा जे।bd।

ढलक ढलक काई रोवे,
लीलण म्हारी रे,
तेजो बंधियो वचना रे माय,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

खरनाल्या में चली जा जे।bd।

प्रेषक – शंकर लाल भीचर (चौधरी)
9929482589

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com